तापमान
अधिकतम 23 .0 डिग्री
न्यूनतम 8 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

11 जींद: राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा की फुटबॉल टीम ने जीता स्वर्ण पदक

11 वेदांता स्कूल के छात्रों का राज्य स्तरीय व्याकरण...

खबर संक्षेप

सीएससी सेंटर से 58 हजार की नकदी चोरी

जींद। विश्वकर्मा चौक पर चोरों ने सीएससी सेंटर से 58 हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। चोरी की वारदात वहां लगे सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गई। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।नरवाना निवासी बलदेव ने पुलिस को शिकायत दी है।

नील गाय का शिकार करने वाले गिरफ्तार

जींद। सदर थाना नरवाना पुलिस ने लगभग तीन साल पहले गांव भाणा ब्राह्मण में गोली मारकर नील गाय का शिकार करने के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। वन्य प्राणी विभाग निरीक्षक मनवीर सिह आठ फरवरी 2022 को सदर थाना नरवाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी।

हमला कर घायल करने पर 43 लोग नामजद

जींद। गांव फूलिया कलां में रंजिशन हमला कर चाचा-भतीजा को घायल करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने 43 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव फूलिया कलां निवासी महेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी रविंद्र परिवार के साथ रंजिश चली आ रही है। जिनके मामले अदालत में विचाराधीन हैं।

मारपीट में दो घायल चार के खिलाफ केस

कैथल। कैथल के गांव बिरथेबहरी में चार आरोपियों ने एक परिवार के दो युवकों पर कुल्हाड़ी, डंडे व लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव बिरथेबहरी के सिंधर सिंह ने राजौंद थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका गांव के रामचंद्र, मनजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह व सिमरजीत के साथ झगड़ा चल रहा है।

दुकान में चोरी का प्रयास करने पर दो नामजद

जींद। गांव अलेवा में दुकान में चोरी करने की कोशिश करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव अलेवा निवासी शमशेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात गांव के ही विजय तथा अजय ने उसकी दुकान में चोरी की कोशिश की। जिस समय आरोपित चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे।

बिजली चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

कौल। पी.ओ./बेलजंपरो की धरपकड़ के लिए एसपी राजेश कालिया के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम अंतर्गत पीओ पकड़ो स्टाफ प्रभारी एसआई ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई रणदेव की टीम द्वारा आरोपी राजौंद निवासी राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी राजेश पर वर्ष 2021 दौरान बिजली चोरी करने का आरोप है।

संदिग्ध हालात में दो महिला लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो महिलाओं के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विजय नगर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी पत्नी घर से गायब हो गई।

दंपती विवाद में मायका पक्ष ने मां-बेटे को पीटा

जींद। गांव सिल्लाखेड़ी में पत्नी ने मायका पक्ष के साथ मिल पति तथा सास पर हमला कर घायल कर दिया। आरोप है कि पत्नी जाते समय अपने साथ नगदी तथ जवेरात भी ले गई। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद-कैथल में कार्यकर्ताओं व नेताओं ने जगह-जगह लड्डू बांट कर खुशी का इजहार किया

दिल्ली में भाजपा की जीत पर मनाया जश्न

बडौली और मुख्यमंत्री नायब सैनी की जोड़ी की बदौलत दिल्ली में भाजपा की भारी बहुमत से विजय : पुष्पा तायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड बहुमत से जीत पर जिलाभर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं व नेताओं ने जगह-जगह लड्डू बांट कर अपनी खुशी का इजहार किया। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने दिल्ली जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा का जीतना तय था। क्योंकि अरविंद केजरीवाल खुद को हरियाणा का बेटा बताते हैं और वही बेटा हरियाणा पर यमुना नहर में जहर घोलने का आरोप लगाते हैं। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही किया जा सकता था। दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल के झूठों को पहचान गई थी। इसलिए शनिवार को जो नतीजे भाजपा के पक्ष में आए वो भाजपा की नीतियों की जीत है। उधर, दिल्ली में भाजपा की प्रचंड बहुमत से जीत होने पर भाजपा की वरिष्ठ नेत्री डा. पुष्पा तायल ने सोनीपत में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली को लड्डू खिला कर जीत की बधाई दी। तायल ने बताया कि बडौली और नायब सैनी की जोड़ी की बदौलत दिल्ली में भाजपा की भारी बहुमत से जीत हुई है। दोनों योद्धाओं ने दिल्ली में खूब पसीना बहाया और यमुना माता की कृपा से दिल्ली में प्रचंड भाजपा का बहुमत आया। तायल ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री मोदी जी की विकाश की नीति और सबका साथ सबका विश्वास और सबका विकाश की नीति की बदौलत दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने डा. पुष्पा तायल की दिल्ली चुनाव में कड़ी मेहनत करने पर भूरी भूरी प्रशंसा की व लड्डू खिलाकर खुशी मनाई। उधर, भाजपा वरिष्ठ नेता जसमेर रजाना ने भाजपा की दिल्ली जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत है।

जींद। भाजपा की दिल्ली जीत पर लड्डू बांटते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

जींद। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली को लड्डू खिलाते डॉ. पुष्पा तायल।

जनता ने साबित किया दिल्ली के दिल में मोदी: सैनी

जींद। शनिवार को घोषित हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम से जनता ने यह साबित कर दिया कि दिल्ली के दिल में मोदी हैं और वे मोदी के नेतृत्व में दिल्ली को विश्व पटल पर विकसित महानगर देखना चाहते हैं। यह बात हरियाणा कॉन्फेड के चेयरमैन एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कर्मवीर सैनी ने दिल्ली में 27 वर्ष बाद भाजपा की सरकार बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत का पूरा श्रेय भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाहएराष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डाए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को जाता है। क्योंकि इन बड़े नेताओं ने दिल्ली चुनाव में अपना खूब पसीना बहाया है और दिल्ली की जनता ने उनकी बात पर विश्वास करते हुए ही दिल्ली की सत्ता भाजपा को सौंपी है। कर्मवीर सैनी ने कहा कि दिल्ली की सम्मानित जनता जनार्दन ने अपने जनादेश से वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा करारा सबक सिखाया हैए जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए नजीर बनेगा। कर्मवीर सैनी ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को दिल्ली की जनता ने स्वीकार किया और केजरीवाल की झूठ और भ्रष्टाचार की राजनीति की दुकान पर ताला लगाने का काम किया है। खासकर झूठे वादे करने वालों के राजनीतिक अध्याय का खात्मा हो गया है। यह जीत दिल्ली के साथ साथ हरियाणा की भी जीत है। क्योंकि केजरीवाल ने यमुना माई का अपमान किया और हरियाणा वासियों पर बेबुनियाद आरोप लगाकर औछी राजनीति की। जिसका मुंहतोड़ जवाब अब दिल्ली की जनता ने दिया है। चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जादू भी जमकर चला है, जिन लगभग 30 सीटों पर उन्होंने प्रचार किया थाएउनमें से ज्यादातर सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। यह सब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की लोकप्रियता का भी प्रमाण है।

नरवाना। जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

पूंडरी। दिल्ली में भाजपा की जीत का जश्न मनाते कार्यकर्ता।

पूंडरी: कार्यकर्ताओं ने बांटे लड्डू और बजाए ढोल नगाड़े

पूंडरी। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत का जश्न पूंडरी भाजपा कार्यालय में विधायक सतपाल जांबा के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया। जैसे ही दोपहर में चुनाव परिणाम घोषित हुए, भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी करनाल रोड स्थित कार्यालय में एकत्रित हो गए और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते हुए जश्न मनाया। इस मौके पर जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कोल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष हजवाना, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र पांचाल, महिला नेत्री निधि मोहन, पूंडरी मंडल अध्यक्ष मनोज राणा, अमित सैनी, कुलदीप सैनी, संजीव सरपंच सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर और ढोल की थाप पर नाचकर अपनी खुशी जाहिर की। विधायक जांबा ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है। इस जीत को जनता की जीत बताते हुए कहा कि यह भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासवादी सोच का परिणाम है। दिल्ली की जनता ने अभिमानी और भ्रष्टाचार में लिप्त आम आदमी पार्टी सरकार को नकार दिया है। भाजपा ने अपने काम और ईमानदार शासन से जनता का विश्वास जीता है। उन्होंने आप सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने कार्यकाल में घोटाले और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, जिससे जनता नाराज थी।

जींद : संदिग्ध हालात में व्यक्ति की जहर से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सिंहपुरा कालोनी सफीदों में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने संदिग्ध हालात में जहर से मौत हो गई। परिजनों ने मृतक को मानसिक रुप से परेशान बताया है। पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनो को सौंप दिया है।

गांव खेड़ी चौपटा निवासी विनोद (45) अपनी ससुराल गांव सिंहपुरा में मकान बना परिवार समेत रह रहा था। शुक्रवार का विनोद ने संदिग्ध हालात में जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिसे परिजनों द्वारा उपचार के लिए नागरिक अस्पताल सफीदों ले जाया गया। जहां पर उपचार के दौरान विनोद की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर सदर थाना सफीदों पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों को जायजा लिया। परिजनों ने बताया कि मृतक विनोद मानसिक रुप से परेशान था। जिसके चलते उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। मृतक अपने पीछे चार बच्चे तथा पत्नी छोड़ गया है। सदर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनो को सौंप दिया है।

नरवाना में भाजपाइयों ने प्रचंड जीत पर मनाया जश्न

नरवाना। नरवाना में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली में प्रचंड बहुमत हासिल करने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न। भाजपा नेता धर्मवीर बाता ने लड्डू बांट कर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने का काम किया। कार्यकर्ताओं ने खादी चोक पर आतिशबाजी चला और लड्डू बांटे दिल्ली के लोगों का धन्यवाद किया। कार्यकर्ताओं ने केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को भी उनकी अनथक मेहनत के लिए भी धन्यवाद किया। धर्मवीर बाता ने कहा कि दिल्ली की जीत में हरियाणा मंत्रीमंडल का भी बहुत सहयोग रहा। भाजपाइयों ने एक दूसरे को दिल्ली में भाजपा की जीत की बधाई दी।

कलायत: भाजपाइयों ने मिठाई बांटकर मनाई खुशी

■ देश की उन्नति की में जन-जन सहभागिता के लिए आगे आ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

दिल्ली में भाजपा को बहुमत मिलने की खुशी में कलायत में खूब ढोल बजे और लड्डू बंटे। इस दौरान पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दिल्ली में भाजपा सरकार बनने पर बधाई दी। साथ ही आम लोगों के साथ ढोल की थाप व लड्डू बांटते हुए खुशी जाहिर की।

युवा नेता रवींद्र धीमान, मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत, काका राणा, भगवान दास बंसल, सुरेंद्र वैद्य, राकेश कांसल, वीरेंद्र राणा, कृष्ण राणा, ललीत धीमान और दूसरे कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा की नीतियां हर किसी को समझ में आ रही है। यही वजह है कि दिल्ली की जनता ने आप पार्टी द्वारा निशुल्क विभिन्न सुविधाएं देने के दावों को सिरे से नकारते हुए सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। इससे यह जाहिर होता है कि आज जनता जागरूक हो चुकी है। झांसे में आने की बजाए मतदाताओं को केंद्र व हरियाण प्रदेश की भाजपा सरकार जैसी नीतियां चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सबको साथ लेकर चलने की सोच को सभी पंसद कर रहे हैं। देश की उन्नति की में जन-जन सहभागिता के लिए आगे आ रहा है। रवींद्र धीमान ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों को गुमराह करने के लिए तरह-तरह के भ्रामक प्रचार किए। लेकिन आप पार्टी की बातों पर जनता ने विश्वास नहीं किया।

कलायत। दिल्ली में भाजपा की जीत पर खुशी जाहिर करते भाजपा कार्यकर्ता।

चोरों के हौसले बुलंद दिनदहाड़े 17000 चोरी

गुहला-चीका। चीका में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला गुहला रोड का है, जहां चोरों ने दिनदहाड़े एक दुकान में घुस कर 17,000 रुपये चोरी कर लिए। घटना उस समय हुई जब दुकानदार अपने किसी काम से बाहर गया हुआ था। मौके का फायदा उठाकर चोरों ने गल्ले से नकदी उड़ा ली। दुकान के मालिक हर्ष गर्ग ने बताया के हमने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें संदिग्ध चोर कैद हो गए। जिसकी सूचना हमने पुलिस को तुरंत दे दी गई गर्ग ने कहा ये आरोपी इससे पहले भी चीका में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

जिले में प्रारंभ हुई रबी फसल की ई-गिरदावरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला में रबी की फसलों की ई-गिरदावरी शुरू हो गई है। यह ई-गिरदावरी टैब के साथ पटवारी खेतों में जाकर करेंगे। इस बार मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर सिरसा जिले के सबसे ज्यादा 133652 किसानों ने पंजीकरण करवाया है।

इसके बाद भिवानी जिला दूसरे नंबर पर है। जिले के 131402 किसानों ने पोर्टल पर अपनी फसल का ब्योरा दिया है। वहीं जींद जिले में गांव 305 हैं और 90 पटवारी कार्यरत हैं। इनमें से 86 पटवारियों की ई.गिरदावरी में ड्यूटी लगाई है। ई गिरदावरी का कार्य एक मार्च तक पूरा करना है। इसके बाद डाटा तैयार कर मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। प्रदेश में इस बार मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रबी की फसल 5799424 एकड़ दर्शाई गई है। वहीं 1284522 किसानों ने पंजीकरण करवाया हुआ है। अब यह पटवारी खेतों में जाकर फसलों की जांच करेंगे और फसलों का डाटा पोर्टल पर अपलोड करेंगे। गौरतलब है कि रबी की फसलें अक्टूबर से दिसंबर के महीनों में बोई जाती है।

सर्व कर्मचारी संघ का रोष प्रदर्शन, सौंपा मांगपत्र

कैथल। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कमेटी के आह्वान पर आज कैथल व कलायत ब्लॉक कमेटियों ने हनुमान वाटिका में सभा करने के बाद प्रदर्शन करते हुए संबंधित दोनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों के प्रतिनिधि विकास सहारण के पिता जी व हिसार से सांसद जयप्रकाश ओर आदित्य सुरजेवाला के शहरी पर्सनल पी. ए. प्रमोद शर्मा व सुभाष जवाहरा को ज्ञापन सौपा। इसकी अध्यक्षता सयुंक्त रूप से कैथल ब्लॉक के वरिष्ठ उपप्रधान सुरेन्द्र पहलवान व कलयात के वरिष्ठ उपप्रधान दलबीर सिंह ने की संचालन विक्की टॉक व नवीन कुमार ने किया। सभा व प्रदर्शन मे सैकड़ों की सख्यां मे अलग-अलग विभागो के कर्मचारियों ने भाग लिया और केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार की नितियो के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सभा मे उपस्थित कर्मचारिओ को सम्बोधित करते सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान शिवचरण, जिला सचिव मास्टर रामपाल शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान ओमपाल भाल, कैशियर रामकुमार शर्मा, उपप्रधान छज्जू राम,संगठन सचिव जसबीर सिंह, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला सचिव मास्टर अमर नाथ किठानिया आदि मौजूद रहे।

कैथल। सकसं के बैनर तले नारेबाजी कर ज्ञापन सौपते पदाधिकारी।

गुहला-चीका। मिड-डे मील वर्कर्स को संबोधित करते अभिषेक।

मिड-डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर किया मंथन

गुहला-चीका। मिड डे मील वर्कर यूनियन तहसील गुहला का सम्मेलन देवीलाल पार्क, चीका में आयोजित किया । सम्मेलन की अध्यक्षता सुखविंदर सुल्तानिया ने की। सम्मेलन में धूप सिंह ने मिड डे मील वर्करों की गंभीर समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्करों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, न ही वर्दी के लिए निर्धारित राशि दी जा रही है। इसके अलावा, बिना किसी ठोस कारण के कर्मचारियों को काम से निकाला जा रहा है और खाली पदों पर नई भर्ती नहीं की जा रही। ये सभी समस्याएँ वर्करों के लिए बड़े संकट का कारण बन रही हैं। सभा का उद्घाटन बिजली विभाग की आल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन के राज्य नेता अभिषेक शर्मा ने किया। वहीं, मिड डे मील वर्कर यूनियन के राज्य सचिव साथी सत्यवान ने सरकार की जनविरोधी नीतियों की आलोचना की। वर्करों को एकजुट होकर अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

मौसम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास, किसानों को गेहूं के लिए चाहिए ठंड

जींद जिले में दो लाख 15 हजार हैक्टेयर में गेहूं की फसल की बिजाई

लगातार तापमान में हो रही वृद्धि से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

लगातार तापमान में हो रही वृद्धि से किसानों के माथे पर एक बार फिर से चिंता की लकीरें आने लगी हैं। हालांकि सुबह व शाम के समय ठंडी हवाएं चल रही हैं, जो रह-रह कर ठंड का अहसास करवा रही हैं लेकिन दिन के समय तापमान 20 से 22 डिग्री तक पहुंच रहा है, जो गर्मी का अहसास करवा रहा है। इस समय गेहूं उत्पादक किसानों ने गेहूं की फसल में पानी दिया हुआ है और किसान ठंड की आस कर रहे हैं। क्योंकि ज्यादा गर्मी पौधों के अंदर की सारी नमी को सूखा देंगी। जोकि फसल उत्पादन पर असर डालेगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री व न्यूनतम तापमान आठ डिग्री रहा। हवा की गति 44 किलोमीटर प्रति घंटा रही व मौसम में आद्रता 44 प्रतिशत बनी रही। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि रहने के आसार हैं। जींद जिले में दो लाख 15 हजार हैक्टेयर में गेहूं की फसल की बिजाई की गई है। इस समय फसल में किसानों ने पानी दिया हुआ है वहीं तेज हवाएं भी चल रही हैं। फिलहाल तीन से चार दिन तक इन हवाओं का कोई नुकसान नही है लेकिन अगर चार दिन से ज्यादा इस तरह की हवाएं चलती हैं तो फिर किसानों को सिंचाई के बारे में विचार करना पड़ेगा। पश्चिमी हवाओं के कारण गेहूं की बाली के अंदर का रस, पौधों के नीचे की नमी, पत्ते तक सूखने लग जाते हैं। ऐसे में फसल में सिंचाई की जरूरत रहेगी। कृषि वैज्ञानिक डा. यशपाल मलिक का कहना है कि ये हवाएं अगर जनवरी में चलती तो पाला भी जम सकता था। क्योंकि पश्चिमी हवाओं के चलते तापमान कम हो जाता है।

सर्च ऑपरेशन: 150 संदिग्ध नशा तस्करों के घरों में की सघन जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शनिवार की सुबह 15 पुलिस टीमों में शामिल करीब 200 पुलिस कर्मचारियों ने स्नाईपर डॉग की सहायता से थाना कलायत, ढांड, शहर व गुहला क्षेत्र में सर्च आपरेशन चलाया गया। जिसके तहत पूरे क्षेत्र में आमजन के मन में सुरक्षा के भावों को पूख्ता किया गया व करीब 150 संदिग्ध घरो की जांच सहित अन्य जगह की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छीपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या अपराधीक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो। एसपी राजेश कालिया ने कहा कि सुबह-सुबह चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना व अपराधियों में भय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों और आपराधिक कार्यों में शामिल आरोपी जो गैर कानूनी तरीके से रह रहे हों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके साथ साथ पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन के अलावा वहां मौजूद आमजन को समझाया गया कि किसी प्रकार के मादक पदार्थ बेचने वाले या अन्य किसी अपराधी के बारे में पुलिस को सूचित करें।

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
■ मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफ:	-19.73%
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	-14.02%
■ एबीएसएल स्मॉल कैप फंड:	-13.65%
■ बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंड:	-13.30%
■ फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंड:	-13.06%
■ डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्स:	-12.94%
■ महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड:	-12.89%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-12.73%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.63%
■ आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.59%
■ एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.57%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.56%
■ निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.46%

■ एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.46%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	-11.52%
■ एसबीआई स्मॉल कैप फंड:	-11.42%
■ कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.01%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	-10.86%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	-10.55%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-10.15%
■ कोटक स्मॉल कैप फंड:	-10%
■ यूनियन स्मॉल कैप फंड:	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	35%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	30.64%
■ इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड:	29%
■ टाटा स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एडलवाइस स्मॉल कैप फंड:	27.76%
■ फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27.61%
■ एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड:	27.58%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27%
■ एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड:	26.76%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	25.67%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	25.35%

(डिस्क्लेमर: किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाइब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूजन्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

शिव प्राइमरी स्कूल में मनाया वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

डिप्टी स्पीकर डॉ. मिड्ढा, विधायक देवेंद्र अत्री ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया

वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज:जींद

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा। फोटो:हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उचाना विधायक देवेंद्र अत्री। फोटो:हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करते हुए।

स्थानीय शिव प्राइमरी स्कूल में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा रहे। जबकि उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री अति विशिष्ट अतिथि रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. दीनदयाल शर्मा ने की। इस वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में बच्चों द्वारा फैंसी ड्रैस, गायन, नृत्य व देशभक्ति के गीतों पर सुंदर प्रस्तुति दी गई। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा दी गई सुंदर प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने हरियाणवी संस्कृति व धार्मिक संस्कृति को भी दर्शाया। इसके साथ-साथ विद्यालय की वार्षिक परीक्षा में अव्वल आने वाले होनहार छात्रों, बाल भवन के कार्यक्रमों में स्थान लाने वाले छात्रों व खेलकूद में स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया व उनका हौंसला बढ़ाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या वृंदा शर्मा ने कहा कि हमारे बच्चे वर्ष भर मेहनत करके परीक्षा में अव्वल आते है तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर स्थान प्राप्त करते है। हमें बच्चों का हौंसला बढाने के लिए तथा उन्हें प्रेरित करने के लिए ताकि वे भविष्य में और मेहनत करके अपने माता-पिता, गुरूजनों व विद्यालय का नाम रोशन करें। ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि डा. कृष्ण लाल मिड्ढा तथा देवेंद्र चतरभुज अत्री ने सभी विद्यार्थियों व इस सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियां दी गई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी हमारे देश का आने वाला भविष्य है। यदि हमारे देश का आने वाला युवा शिक्षित होगा तभी देश का विकास संभव है। इस कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। कार्यक्रम में रिषिराम, संदीप, भगवत दयाल शर्मा, रामभगत शास्त्री जीतगढ़, तेलूराम, सुभाष ढिगाना, सुलेंद्र शास्त्री, रामनिवास पटवारी, ईश्वर अत्री, महावीर शर्मा, जयभगवान जांगड़ा, सतीश जिंदल, नौरंग आदि मौजूद रहे।

जींदः राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा की फुटबॉल टीम ने जीता स्वर्ण पदक

- गोलकीपर जींद की अंशिका मलिक की रही मुख्य भूमिका

हरिभूमि ▶▶| जींद

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रही टीम।

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा की फुटबाल टीम ने स्वर्ण पदक जीता है। टीम में जींद की अंशिका मलिक गोल कीपर की भूमिका में रही और अंशिका ने शानदार प्रदर्शन किया। हरियाणा की टीम पहली बार राष्ट्रीय खेलों में फाइनल में पहुंची थी। फाइनल में हरियाणा का मुकाबला ओडिशा की टीम के साथ हुआ। इसमें ओडिशा को 4-2 से हराया। 90 मिनट के इस मुकाबले के दौरान सात मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। टीम की कप्तान संजू फाइनल में चोटिल हो गई थी। इसके बावजूद टीम ने हिम्मत नहीं हारी। अंतिम क्षणों तक गोलकीपर जींद की अंशिका मलिक ने जबरदस्त तरीके से गोल रोके। मैच में दोनों तरफ से एक भी गोल न होने पर अंत में पेनल्टी शूटआउट से निर्णय हुआ। हरियाणा की टीम ने ओडिशा से पहले दिल्ली, पश्चिम बंगाल की टीम को भी हराया।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए पेंशनर्स । फोटो :हरिभूमि

पेंशनर्स की मांगों को पूरा करे सरकार

जींद हरियाणा पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक पुलिस लाइन में प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन मिया सिंह ने किया। बैठक में सभी ने पुलिस कर्मचारियों व पैंशनरों की मांगो पर विचार-विमर्श किया और सरकार से मांग की कि पैंशनरों की मांग शीघ्र पूरा करें। उन्होंने मांग की कि पुरानी पैंशन लागू की जाए। सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी किया जाए। पैंशनरों की उम्र 65-70-75 होने पर 10-15-20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की जाए जैसा कि अन्य राज्यों मे लागू है। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढा कर तीन हजार किया जाए। क्योंकि बड़ी उम्र में दवाइयों पर ज्यादा खर्च आता है। आज के इस दौर में हर कर्मचारी एवं रिटायरी के परिवार से कोई न कोई इलाजरत रहता ही है। केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों व पैंशनरों का रोका गया डेढ़ साल का मंहगाई भत्ते का एरियर माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले अनुसार दिया जाए। पुलिस विभाग मे सरकार द्वारा स्थायी भर्ती की जाए। पुलिस कर्मचारियों को भी पंजाब पुलिस के बराबर वेतनमान दिए जाए। पुलिस विभाग में रिक्तियों के अनुसार समय पर योग्यता व वरिष्ठता के अनुसार पदोन्नति दी जाए।

सरकार की योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान

अलेवा। नगूरां गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर सामुदायिक आधारित कार्यक्रम के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आंगनबाड़ी वर्कर निर्मला व सुदेश नगूरां ने संयुक्त रूप से की तथा मुख्य रूप से ब्लाक समिति चेयरमैन राहुल व पंचायत समिति सदस्य बिजेंद्र तथा मंदीप ने भाग लिया। इस अवसर पर गांव की अनेक महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं को जागरूक करते हुए मुख्यातिथि राहुल ने कहा कि लोगों को महिलाओं तथा बच्चों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाई स्कीमों का लाभ उठाना चाहिए। कई बार जानकारी के अभाव में सरकार द्वारा चलाई स्कीमों का पूरा लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पाता है। जिसके क ारण पात्र व्यक्ति उक्त लाभों से वंचित रह जाता है। आंगनबाड़ी वर्करों तथा हैल्परों को समय-समय पर विभाग द्वारा चलाई स्कीमों के बारें में लोगों को जागरूक करना चाहिए।

वेदांता स्कूल के छात्रों का राज्य स्तरीय व्याकरण प्रतियोगिता में रहा दबदबा

हरिभूमि ▶▶| नरवाना

नरवाना। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल कलौदा खुर्द के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता में मेरिट प्राप्त करके अपने अभिभावकों तथा विद्यालय का नाम रोशन किया। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल कलौदा खुर्द के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा समिति टोहाना द्वारा आयोजित व्याकरण प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक भाग लिया और अपने दक्षता का परिचय देते हुए आठ विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। एंजेल, जागृति, रजत, अपूर्वा ,गौतम, सृष्टि, वर्षाए, कशिश आदि विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त करके अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती वीना डाराए डायरेक्टर इंजीनियर प्रदीप नैन और चेयरमैन रवि श्योकंद ने मैरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया। डायरेक्टर इंजीनियर प्रदीप नैन ने इस अवसर पर विद्यार्थियों से कहा कि हमें सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़.चढ़कर भाग लेना चाहिए ताकि आपकी प्रतिभा में और निखार आये। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थी निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर हैं व हर विषय में अग्रणी है।

मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

- बच्चे रोमांचक प्रयोगों के माध्यम से अपने अंदर के वैज्ञानिकों को सामने लाए

हरिभूमि ▶▶| जींद

मॉडल के बारे में जानकारी हासिल करते हुए।

वैज्ञानिक जिज्ञासा और व्यवहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयास में मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन विज्ञान अध्यापक सुनील, अंजलि, अवनी और नीतू द्वारा किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

जिन्होंने समूहों में काम किया और विभिन्न रोमांचक प्रयोगों के माध्यम से अपने अंदर के वैज्ञानिकों को सामने लाया। भाग लेने वाले छात्रों को उनके संबंधित सदनों में विभाजित किया गया था और प्रत्येक सदन में प्रदर्शन करने के लिए मनोरम प्रयोगों की एक श्रृंखला थी। इन प्रयोगों के माध्यम से, छात्रों ने रसायन विज्ञान की आकर्षक दुनिया में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की और एसिड बेस प्रतिक्रियाओं और गैस परीक्षणों की गहरी समझ विकसित की।

कैथल। जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागट परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते।

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए 466 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

कैथल हरियाणा नवोदय विद्यालय समिति की ओर से जिले के तितरम गांव स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा नौवीं और 11वीं के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में दोनों कक्षाओं के लिए जिले में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यह परीक्षा केंद्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कमेटी चौक व तितरम गांव में जवाहर नवोदय विद्यालय में बनाए गए थे। इस परीक्षा में दोनों कक्षाओं के 649 में से 466 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें नौवीं के 513 में 385 विद्यार्थी हाजिर रहे और 128 गैर हाजिर रहे। जबकि 11वीं कक्षा में 136 में 81 हाजिर और 55 गैर हाजिर रहे। यह परीक्षा सुबह 11 बजे शुरू हुई और दोपहर डेढ़ बजे तक जारी रही। परीक्षा केंद्र में उड़नदस्ता के रूप में विशेष टीमों का भी गठन किया गया था। तितरम गांव स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य सुचिता गुप्ता ने बताया कि कक्षा नौवीं और 11वीं में प्रवेश के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....
पता.....तहसील .....पिन.....
जिला ..... फोन नं. ..... एजेंट का नाम .....

सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन

नियम व शर्तें हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ▶▶| बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ▶▶| योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ▶▶| हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है। ▶▶| फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होगे। ▶▶| राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ▶▶| हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ▶▶| यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ▶▶| वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ▶▶| हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ▶▶|किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ▶▶| चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ▶▶| हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ▶▶| प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ▶▶| पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ▶▶| किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ▶▶| अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ▶▶| ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ▶▶| विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ▶▶| प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ▶▶| सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

खबर संक्षेप

तीसरी कक्षा के विद्यार्थी से कुकर्म, मामला दर्ज

कैथल। पूंडरी थाना क्षेत्र के तहत आने वाले एक गांव में 9 वर्षीय बच्चे से कुकर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। बच्चे के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा एक स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ता है। उसका बेटा 6 फरवरी को दोपहर बाद घर से बाहर खेलने के लिए गया हुआ था। वहां पर पैलस नाम का आरोपी उसे बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले गया। आरोपी ने उसके साथ कुकर्म किया।

मारपीट व तोडफ़ोड़ करने पर दर्जन भर पर मामला दर्ज

जींद। गांव अलेवा में घर में घुस कर मारपीट करने तथा तोडफ़ोड़ करने पर पुलिस ने एक युवक को नामजद कर दर्जनभर अन्य युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव अलेवा निवासी मीना ने बताया कि वह अपने पति मनदीप के साथ घर में थी। उसी दौरान गांव का हैप्पी दर्जनभर युवकों के साथ गाड़ी में सवार होकर पहुंचा और बाहर लगे सीसी टीवी कैमरों को तोड़ते हुए अंदर घुस कर उसके पति पर हमला कर दिया।

कमरे के बाहर कुंडी लगा दो भैंस व कटड़ा चोरी

जींद। गांव काकडौद में बीती रात चोरों ने पशुपालक के कमरे के बाहर से कुंडी लगा पशुबाड़े से दो भैंस तथा एक कटड़े को चोरी कर लिया। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गांव काकडौद निवासी अमन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह प्लाट में बने कमरे में सोया हुआ था। पशुबाड़े की चाबी उसने चारपाई साथ रखे स्टूल पर रखी हुई थी। चोरों ने चाबी को चोरी कर उसके कमरे के बाहर कुंडी लगा दी। जिसके बाद उसके पशुबाड़े से दो भैंस तथा एक कटड़े को चोरी कर लिया।

राममेहर बने जनवादी लेखक संघ के प्रधान

जींद। मजदूर भवन में जनवादी लेखक संघ जींद का जिला सम्मेलन संपन्न हुआ। इसका उद्घाटन जयपाल ने किया। उन्होंने कहा कि आज हम ऐसे निर्लज्ज समय में जी रहे हैं, जहां अज्ञानता एवं पाखंड पूरे ढीठपन से परोसा जा रहा है। सम्मेलन में कपिल भारद्वाज के कविता संग्रह बौने प्रहसन पुस्तक का लोकार्पण किया गया। जिसमें जयपाल, धर्मपाल, सुरेश कुमार, मंगतराम शास्त्री व राममेहर कमेरा ने पुस्तक का विमोचन किया। तीन साल के लिए नई जिला कमेटी का सर्व सहमति से चुनाव किया गया। इसमें राममेहर सिंह कमेरा को अध्यक्ष, नरेश नारवाल को उपाध्यक्ष, मंगतराम शास्त्री को सचिव, कपिल भारद्वाज को सहसचिव व विक्रम राही को खजांची चुना गया। इसके साथ पंद्रह सदस्यीय कार्यकारिणी गठित की गई।

ठगी के अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो आरोपी किए काबू

अमेरिका भेजने के नाम पर युवाओं को नेपाल में बनाया गया बंधक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर आमजन से लाखों रुपए धोखाधड़ी करने वालो आरोपियों पर एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार शिकंजा कसते हुए इकनॉमिक सैल द्वारा अलग अलग 2 मामलों में 2 आरोपियों को काबू किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव हरनामपुरा जिला जींद निवासी प्रतीक की शिकायत अनुसार वह विदेश जाना चाहता था। इसके लिए उसने अपने ताऊ राजेश के साथ जाकर गांव बादड़ जिला पानीपत निवासी रोहताश से बातचीत की। रोहताश ने उसको अमेरिका भेजने के लिए 38 लाख रुपये में बात तय हुई। इस पर आरोपी रोहताश ने उनके परिवारजनों से उसके दस्तावेज ले लिए। 17 जनवरी को रोहताश ने उसे दिल्ली से दुबई भिजवा दिया और 10 दिन बाद दुबई से नेपाल भिजवा दिया। 7 फरवरी को नेपाल में उसके पास आरोपी रोहताश द्वारा भेजा आदमी आया और उसका पासपोर्ट ले लिया। उसके बाद दोनों आरोपियों ने मिलकर वहां से उसका अपहरण करवा दिया और जबरदस्ती घर पर संदेश भिजवाया कि वह मैक्सिको पहुंच गया है। आरोपियों ने उसके घर फोन किया कि आपका बेटा अमेरिका पहुंच गया है। यह कहकर आरोपियों ने उसके परिवार के सदस्यों को ग्रीन वैली होटल में क्योडक के पास बुलाया। उसके परिवार ने आरोपियों को 35 लाख रुपये दे दिए। आरोपियों ने अन्य कई लडकों को भी नेपाल में बंधक बनाकर रखा हुआ था। बाद में नेपाल की पुलिस ने उनको बचाया और वह अपने घर पर पहुंचा। यहां आने के बाद जब उन्होंने आरोपियों से अपने रुपये वापस मांगे तो रोहताश ने केवल 99 हजार रुपये वापस दिए। बाकी रुपये मांगने पर आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। रोहताश के साथ गाँव डोहर निवासी प्रवीन, अशोक, ईश्वर व गांव बकनौर जिला अंबाला निवासी बजिंद्र भी मिले हुए थे। पांचों आरोपियों ने मिलकर उसके साथ 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज कर लिया गया उक्त मामले की जांच इकनॉमिक सैल प्रभारी इंस्पेक्टर चंद्रभान की अगुवाई में एएसआई मनोज कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी जिला करनाल के गांव भोला खालसा निवासी अशोक को काबू कर लिया गया।

कैथल। ठगी के दोनों आरोपी पुलिस गिरफ्त में। फोटो :हरिभूमि

पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दूसरे मामले में गांव अटेला निवासी सज्जन कुमार की शिकायत अनुसार फ्यूचर हाइट इमिग्रेशन पॉइंट कैथल के संचालक मोहित, गांव ढाचर निवासी कर्ण व क्योड़क निवासी अमित युवाओं को विदेश भेजने का काम करते हैं। वह अपने पोते देवेंद्र कुमार को अमेरिका भेजने के लिए आरोपियों से उनके कार्यालय में मिला। आरोपियों ने उसके पौते को विदेश भेजने के लिए 45 लाख रुपये मांगे और कहा कि पहले 10 लाख रुपये व पोते के जरूरी दस्तावेज जमा करवा दें। आठ सितंबर 2023 उन्होंने रुपये व दस्तावेज ले लिए। उसके बाद और रुपये देने के लिए कहने लगे। बाद में उन्होंने उससे अलग-अलग समय में कुल 16 लाख 51 हजार रुपये ले लिए। उसके बाद भी आरोपियों ने उसके पौते को विदेश नहीं भेजा। उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो उनको जान से मारने की धमकी दी गई। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच इकनॉमिक सैल के पीएसआई संदीप कुमार की टीम द्वारा करते आरोपी अशोका कालोनी कैथल निवासी मोहित को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त दोनो आरोपी शनिवार को न्यायालय में पेश किए जाएंगे, जिनसे पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

कैथल। पूर्व सैनिक रामकुमार के परिजनों को तिरंगा सौंपते पूर्व सैनिक।

पूर्व सैनिक रामकुमार हुए पंचतत्व में विलीन

■ लम्बी बिमारी के कारण ली पंचकूला में आखिरी सांस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आर्म्ड कोर की 7 केवलरी के पुर्व सैनिक दफेदार रामकुमार गांव पट्टी अफगान ने लम्बी बिमारी के कारण पंचकूला में आखिरी सांस ली। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल ने परंपरा अनुसार रामकुमार के घर पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर जेडब्ल्यूओ दलबीर सिंह, कैप्टन मुख्तार सिंह जांगड़ा, सीपीओ राजबीर भाना, रिशालदार कर्मवीर भाल, दफेदार बलदेव सिंह दफेदार रामचंद्र, वॉइस चेयरमैन जिला परिषद प्रतिनिधि सिपाही फौजी कर्मवीर ,दफेदार सतपाल, शीशपाल माजरा व कैप्टन बलजीत सिंह ने तिरंगा ओढ़ाया और शमशान घाट में पहुंचकर पार्थिक शरीर पर रीट (पुष्प चक्र) चढ़ाई गई और फूलों के साथ सभी पूर्व सैनिकों ने एवं उनके साथ उनके परिजन व रिश्तेदारों ने भी पूर्व सैनिक को मिलकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर के श्रद्धांजलि दी।

बाद में तिरंगा को उनके पुत्र राजेंद्र सिंह को प्रधान जगजीत फौजी,रिसालदार बलदेव सिंह, हवलदार राजेश ढूल , दफेदार राजाराम व रिसालदार रघुवीर सिंह ने उनके पिता की देश सेवा की पहचान के लिए सौंपा।

साफ नीयत व जनता-जनार्दन के दिलों पर राज करके जीते जाते हैं चुनाव : बाजीगर

गुहला-चीका। गुहला भाजपा के पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर ने कहा कि सीधी नीयत एवं जनता जनार्दन के दिलों पर राज करके ही चुनाव जीते जाते हैं। बाजीगर आज यहां अपने निवास पर कार्यकतार्ओं के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव में हुई भाजपा की बड़ी जीत का जश्र मनाने के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों ने पहले ही भाजपा की जीत तय कर दी थी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को इस बात का आभास भी था, जिसके चलते वे भाजपा की बंपर जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त थे। उन्होंने कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सारी दिल्ली को शुद्ध पानी देने के बजाए दारु में डुबो दिया और घोटाले पर घोटाले करके दिल्ली का विकास रोक दिया, जिस कारण जनता में आम आदमी के प्रति नाराजगी नहीं अलबत्ता नफरत पैदा हो गई थी।

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जमाया रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सरस्वती पब्लिक स्कूल सेगा ने अपनी 25वीं वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास और सांस्कृतिक धूमधाम के साथ मनाई। इस अवसर पर एक भव्य संस्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणवी नृत्य, संगीत और अन्य रंगा रंग प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और केक कटिंग से हुआ, जिसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर शुरू हुआ। विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने मनमोहक नृत्य, संगीत और नाटक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस शानदार कार्यक्रम का संचालन सोनीया मैम ने किया, जिन्होंने अपनी उम्दा मंच संचालन कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के संस्थापकों पुरन सिंह, मेहर सिंह चहल, रणवीर ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह स्कूल शिक्षा और संस्कारों की आधारशिला रखता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रूबी राणा ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर भी बल देता है। इस अवसर पर प्रतिभागी छात्रों को सम्मानित किया गया। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पदक और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

■ सरस्वती पब्लिक स्कूल सेगा ने मनाई वर्षगांठ

कैथल। मां सरस्वती की वंदना करते स्टाफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा

किठाना कॉलेज ऑफ एजूकेशन किठाना में किया मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने गत दिनों में शहीद जयवीर सिंह गवर्नमेंट सीनियर सेकंडरी स्कूल (किठाना) के छात्रों के साथ एक विशेष ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा के महत्व और कॉलेज की सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर और अन्य कई प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। जहां प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों ने जीत हासिल की वहीं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में स्कूल के विद्यार्थियों ने बाजी मारी। इन गतिविधियों ने न केवल छात्रों का मनोरंजन किया बल्कि उनकी टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना को भी बढ़ावा दिया।कॉलेज की प्राचार्या , डॉ. निर्मल सिंहरोहा ने कॉलेज की अत्याधुनिक सुविधाओं, योग्य फैकल्टी और उच्च शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करें और उच्च शिक्षा प्राप्त करें। चेयरमैन रामफल ढांडा ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया।

राजौंद। गांव किठाना कॉलेज में प्रतियोगिता के दौरान मौजूद विद्यार्थी व अन्य।

विदेश में दुर्दशा पर नाटिका से किया प्रहार

■ एमडीएन ग्लोबल स्कूल में वार्षिक उत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल में आज भव्य वार्षिक उत्सव ह्यउत्सव 2025ह्ल का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। यह समारोह विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कला, संस्कृति और समग्र विकास का सजीव मंच रहा, जिसमें छात्रों ने अपने अद्वितीय प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय बैंड की मधुर ध्वनि के साथ मुख्य अतिथि डॉ. विवेक गर्ग, संचालक, नारायण सेवा संस्थान, कैथल का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक हवन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि व डॉ. विनोद कुमार, डायरेक्टर, निधि कंसल, चेयरपर्सन व मैनेजर गौरव गर्ग ने मुख्य यजमान के रूप में शिरकत की। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ इस महोत्सव की आधिकारिक शुरूआत हुई। प्रधानाचार्य डॉ. संत कौशिक ने मंच से विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों के साथ विद्यालय की प्रगति, नए आयाम और आगामी लक्ष्यों की झलक प्रस्तुत की गई। उन्होंने कहा कि एमडीएन ग्लोबल स्कूल न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसा संस्थान है जहां छात्रों का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी प्रतिभा और मेहनत का ऐसा समावेश प्रस्तुत किया, जिसने पूरे वातावरण को उल्लास और उत्साह से भर दिया। बॉलीवुड नृत्य से लेकर पारंपरिक लोकनृत्यों तक, हर प्रस्तुति में छात्रों की ऊर्जा, समर्पण और कलात्मकता स्पष्ट झलक रही थी।

कैथल। अतिथियों का स्वागत करते एमडी डा. विनोद कुमार व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

अधिकारी ने सेक्टर 18 में कब्जों का किया निरीक्षण

कैथल। हुडा की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अमना तसनीम सेक्टर 18 का निरीक्षण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अमना तसनीम ने हूडा सेक्टर 18 का औचक दौरा किया। उन्होंने करनाल रोड से सैक्टर 18 की मेन एंटरी पर किए गए अवैध कब्जों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि हूडा में जो भी अवैध कब्जे किए गए हैं, उन्हें तुरत प्रभाव `स हटावाया जाए। उन्होंने कहा कि हूडा वासियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं। इसके साथ ही सड़कों की मरम्मत के साथ-साथ कालोनी के सुंदरीकरण की ओर भी ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर एस्टेट आफिसर हूडा वकील अहमद, जेई रामपाल आर्य, एडवोकेट मनोज सहारण, सतीश पुनिया, महेंद्र सहारण, सरपचं दिनेश बुरा, नरेश राणा, जयभगवान सैनी, रामनिवास शर्मा आदि उपस्थित रहे। कालोनीवासियों ने अधिकारी को सैक्टर की समस्याओं बारे अवगत करवाया। अधिकारी ने उनके जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

बदलाव नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होगा नियम

पहली कक्षा में छह साल के बच्चे को मिलेगा दाखिला

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जारी किया पत्र

■ जिले के 424 राजकीय प्राइमरी स्कूलों में 40 हजार विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अब सभी निजी और सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा में छह साल के बच्चे को दाखिला मिलेगा। विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी किए गए पत्र अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिन बच्चों की उम्र एक अप्रैल 2025 को छह साल पूरी होगी, वही पहली कक्षा में दाखिला ले सकेंगे।

हालांकि जिन बच्चों की उम्र एक अप्रैल 2025 को छह साल से कुछ कम होगी, उन्हें फिर शिक्षा का अधिकारी अधिनियम 2009 के नियम दस के तहत छह महीने की छूट मिलेगी। हालांकि पिछले साल सरकार ने पहली कक्षा में दाखिले के लिए साढ़े पांच साल उम्र तय की थी। स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए गए पत्र में यह भी कहा गया है कि जो बच्चे एक अप्रैल 2025 को पहली कक्षा में जाने वाले हैं, उनका दाखिला नहीं रोका जाए। उन्हें आयु सीमा छह साल उम्र पूरी नहीं होने पर भी पहली कक्षा में पढने दिया जाए। उन्हें पूरे एक साल के लिए पीछे नहीं किया जाए। नए फैसले के पीछे की वजह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बताई गई है। इसे नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू किया जाएगा।

इस संबंध में स्कूल शिक्षा निदेशालय ने आदेश जारी कर दिया है। इससे पहले पांच साल की उम्र में विद्यार्थी को पहली कक्षा में दाखिला दे दिया जाता था। मगर 2024.25 के सत्र में सरकार ने दाखिले की उम्र साढ़े पांच साल कर दी थी। जिसे अब छह महीने और बढ़ा दिया गया है। अभी जिले में 424 राजकीय प्राइमरी स्कूल हैं, जिसमें लगभग 40 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं।

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो :हरिभूमि

नियम दस के तहत छह महीने की छूट मिलेगी

खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र हुड्डा ने बताया कि नए सत्र से पहली कक्षा में दाखिले के लिए बच्चे की उम्र छह साल होनी चाहिए। एक अप्रैल तक जिन बच्चों की उम्र छह साल होगी, वे पहली कक्षा में दाखिले के पात्र होंगे। इसके लिए विभाग द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। हालांकि जिन बच्चों की उम्र एक अप्रैल 2025 को छह साल से कुछ कम होगी, उन्हें फिर शिक्षा का अधिकारी अधिनियम 2009 के नियम दस के तहत छह महीने की छूट मिलेगी।

सीवरेज ठप होने से खफा वार्ड 13 के लोगों ने जताया रोष

कैथल। जनकपुरी कॉलोनी वार्ड नंबर 13 में जमा गंदा पानी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जनकपुरी कालोनी वार्ड नंबर 13 में सीवरेज निकासी न होने से खफा लोगों ने सरकार व जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। कालोनीवासियों दलबीर सिंह, जंगा राम, सतवीर सिंह आदि ने बताया कि कालोनी में सीवरेज का गंदा पानी जमा होने के कारण यहां गंदगी का आलम रहता है। कालोनीवासी नन्नू राम, राजेंद्र, सोनू, बिट्टू, सुमित, जेपी, विजय, मंजीत सिंह, नरेश कुमार, सुरेश सतीश आदि ने बताया कि कॉलोनी मे जमा गंदा पानी के कारण बीमारियां फलफूल रही हैं। ऊपर से बदबू के कारण जीना दूभर हो गया है। नगर पालिका के चेयरमैन व प्रशासन को लिखित में अनेक बार दे चुके है लेकिन प्रशासन की कान नीचे जूं तक नहीं रेंगती। कलोनीवासियों ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द ही इस ओर कदम नहीं उठाया तो कालोनीवासियों को मजबूरन आंदोलन करते हुए सड़कों पर उतरना पड़ेगा।

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

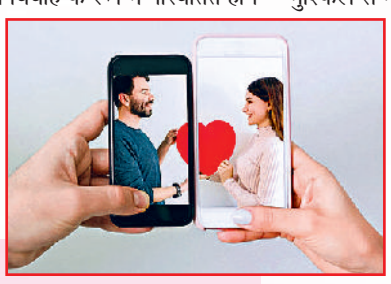

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

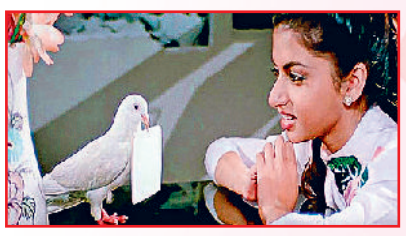

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *